Research Guru
Online Journal of Multidisciplinary Subjects (ISSN : 2349-266X)
UGC Approved Journal No. 63726
Impact Factor:4.081
Volume-12, Issue-4, March-2019 www.researchguru.net

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति, लिंग एवं परिवेश का मुख्य एवं अन्तःक्रियात्मक प्रभाव का अध्ययन

Dr. (Smt.) Kavita Verma — Assistant Professor, Education Department — Kalyan PG College, Bhilai ,Durg (CG)
Hiteshwari Aadil Researcher — Assistant Professor, Education Department — Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya, Durg (CG)

सारांश– *प्रस्तुत शोध अध्ययन में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के मध्य* अन्तःक्रियात्मक प्रभाव *का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध का उद्देश्य शिक्षकों के व्यावसायिक विकास एवं सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के मध्य* अन्तःक्रियात्मक प्रभाव *का अध्ययन करना है। प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श हेतु दुर्ग संभाग के दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 300 शिक्षकों (शहरी क्षेत्र विद्यालयों के 150 पुरूष शिक्षक(75) एवं महिला शिक्षक(75) तथा ग्रामीण क्षेत्र विद्यालयों के 150 पुरूष शिक्षक(75) एवं महिला शिक्षक(75) का चयन किया गया है। अध्ययन हेतु नसरिन एवं इस्लाहि* (2012) *द्वारा निर्मित सूचना तकनीकी अभिवृत्ति मापनी उपकरण का उपयोग एवं बुतिया* (2014) *द्वारा निर्मित व्यावसायिक विकास मापनी उपकरण का उपयोग किया गया है। अध्ययन से यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि उच्च सूचना तकनीकी अभिवृत्ति वाले शिक्षकों का व्यावसायिक विकास मध्यमान निम्न सूचना तकनीकी अभिवृत्ति वाले शिक्षकों का मध्यमान की अपेक्षा श्रेष्ठ पाया गया एवं परिवेश में उच्च सूचना तकनीकी अभिवृत्ति वाले शिक्षकों का व्यावसायिक विकास मध्यमान निम्न सूचना तकनीकी अभिवृत्ति वाले शिक्षकों का मध्यमान की अपेक्षा श्रेष्ठ पाया गया*

मुख्य बिंदु – व्यावसायिक विकास, सूचना तकनीकी अभिवृत्ति।

प्रस्तावना– विद्यालयों में शिक्षक शिक्षा प्रणाली की रीढ़ है। वे विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक कार्यक्रमों को लागू करने के लिए एक एजेंसी के रूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शिक्षा राष्ट्र के पुनर्निर्माण के मौलिक स्तंभ है, और शिक्षा की गुणवत्ता शिक्षकों कि गुणवत्ता पर निर्भर करती है। विभिन्न आयोगों और शिक्षानीतियों ने शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का सुझाव दिया, शिक्षको के बीच व्यावसायिक विकास के उनके व्यक्तिगत गुणो, शैक्षिक योग्यता, जगह और जिम्मेदारी की वे समुदायों में पकड़ बढ़ानें की आवश्यकता है। सूचना हमारे प्रतिदिन के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती है , सूचना ज्ञान को बढाती है । किसी भी व्यक्ति के पास जितनी अधिक सूचनायें होगी उतनी ही अधिक स्थितियों में वह उन्हें प्रयुक्त कर सकेगा । सूचना तकनीकी समाज की संरचना में मुख्य भूमिका निभाती है । सूचना तकनीकी के विकास से मौसम की जानकारी ग्रामीण क्षेत्रो में भेजी जा सकती है , जिसके अनुसार वहां रहने वाले अपने रहने के तरीकों में बदलाव कर सकतें है । पटनायक और डेविडसन (2015) ने शिक्षक गुणवत्ता सुनिश्चित करने में व्यावसायिक विकास की भूमिका का अध्ययन किया। शोध अध्ययन के अनुसार एक शिक्षक छात्र के कैरियर को प्रभावित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शर्मा एंव सिंग (2015) ने माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों में सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के प्रति लिंग व स्थान में सबंध पर अध्ययन किया। शोध अध्ययन के अनुसार माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों में लिंग के आधार पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के प्रति कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। जबकि स्थान के आधार पर माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के प्रति सार्थक अंतर पाया गया एवं माध्यमिक स्कूलों के शिक्षकों में शिक्षण एंव शिक्षण व्यवसाय में सफल महिला शिक्षकों के अभिवृत्ति का प्रभाव पडता हैं तथा

शिक्षण एंव शिक्षण व्यवसाय में सफल महिला शिक्षकों कें अभिवृत्ति के प्रति सार्थक अंतर पाया गया। खान (2015) ने भारत में अंगेजी शिक्षक के व्यावसायिक विकास का अध्ययन किया । शोध अध्ययन के अनुसार शिक्षकों को प्रोत्साहित करने अवसरों और मार्गदर्शन के लिए व्यावसायिक विकास आवश्यक है। भारत में अंगेजी अध्यापकों के लिए लंबे समय से स्थापित औपचारिक और बड़े पैमाने पर व्यावसायिक विकास कार्यशालाएं उनके विशेष विषय और उनके विशेष शिक्षण संदर्भो में आईसीटी का प्रभावी ढ़ग से उपयोग करने के लिए बहुत कम जगह छोड़ देती है। व्यावसायिक विकास की आवश्यकता है। माथुर (2016) ने शहरी शिक्षकों के कक्षा प्रबंधन में व्यावसायिक विकास पर अध्ययन किया। शोध अध्ययन के अनुसार व्यावसायिक विकास के अवसरों को विकसित करने के लिए परिलब्धियों के विचारों को ध्यान में रखना आवश्यक है। यहा कक्षा प्रबंधन में शिक्षकों को व्यावसायिक विकास का सकारात्मक प्रभावी सहायता प्रदान करता है। खान (2017) ने अंग्रेजी शिक्षकों के व्यावसायिक विकास जांच के तहत अभिनव अभ्यास की क्षमता का अध्ययन किया । शोध अध्ययन के अनुसार भारत में शिक्षकों के व्यावसायिक विकास औपचारिक और पुरानी व्यावसायिक शिक्षण परंपराओं आधार पर है। शिक्षक आई टी आई को एकीकृत करने की ओर सकारात्मक दृष्टिकोण रखते है । उन्होने आईटीआई को एक व्यावहारिक शैक्षिक उपकरण के रूप में माना है। जो शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में अति महत्वपूर्ण है– मानव जीवन में शिक्षा की अहम् भूमिका होती है शिक्षा के बिना उसका जीवन अधूरा होता है। इक्कीसवी सदी में संपूर्ण विश्व विकास की ओर अग्रसरित हो रहा है। अर्थात सूचना तकनीकी व व्यावसायिक विकास का इक्कीसवी सदी में मानव की आवश्यकता बन गया है। मानव जीवन में तकनीकी के विकास ने समाज के स्वरूप को ही बदल दिया है। वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में सबसे अधिक लाभ तकनीकी प्रगति के कारण हुआ है। सूचना तकनीकी के क्षेत्र में विकास के लिए कई शोधकर्ताओं का ध्यान आकर्षित हुआ है।

उद्देश्य–

- उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास प्राप्तांको पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति , लिंग एवं परिवेश का मुख्य एवं अन्तःक्रियात्मक प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पना

- H_0I उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास प्राप्तांको पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति , लिंग एवं परिवेश का मुख्य एवं अन्तःक्रियात्मक प्रभाव नही पड़ेगा।

विधि – प्रस्तुत अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

परिसीमा – प्रस्तुत अध्ययन में छ.ग. राज्य के दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का चयन किया गया है।

न्यादर्श– प्रस्तुत अध्ययन में न्यादर्श हेतु दुर्ग जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 300 शिक्षकों (शहरी क्षेत्र विद्यालयों के 150 पुरूष शिक्षक(75) एवं महिला शिक्षक(75) तथा ग्रामीण क्षेत्र विद्यालयों के 150 पुरूष शिक्षक(75) एवं महिला शिक्षक(75) का चयन किया गया है।

उपकरण–प्रस्तुत शोध में अध्ययन हेतु नसरिन एवं फातिमा इस्लाहि (2012) द्वारा निर्मित सूचना तकनीकी अभिवृत्ति मापनी उपकरण का उपयोग एवं योदिदा बुतिया (2014) द्वारा निर्मित व्यावसायिक विकास मापनी उपकरण का उपयोग किया गया है।

सांख्यिकीय उपचार–प्रस्तुत शोध अध्ययन में सांख्यिकीय उपचार हेतु एनोवा 2X2X2 ज्ञात किया गया है।

परिणाम एवं विवेचना

H_0I उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास प्राप्तांको पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति , लिंग एवं परिवेश का मुख्य एवं अन्तःक्रियात्मक प्रभाव नही पाया जायेगा।

तालिका क्रमांक 1.01

प्रसरण का स्त्रोत	वर्गो का योग	स्वतंत्रता की कोटि (Df)	मध्यमान वर्ग	F अनुपात	सार्थकता
सूचना तकनीकी अभिवृत्ति (A)	5932.952	1	5932.952	6.410	.012 **
लिंग (B)	3281.739	1	3281.739	3.546	.061 NS
परिवेश (C)	2147.229	1	2147.229	2.320	.129 NS
A X B	421.855	1	421.855	.456	.500 NS
A X C	3359.025	1	3359.025	3.629	.058 *
B X C	339.376	1	339.376	.367	.546 NS
A X B X C	538.494	1	538.494	.582	.447 NS
त्रुटि	182339.700	197	925.582		
योग	201017.590				

** 0.01 स्तर पर सार्थकता , * 0.05 स्तर पर सार्थकता, NS= Not Significant

सूचना तकनीकी अभिवृत्ति का शिक्षकों की व्यावसायिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह अध्ययन हेतु तालिका क्रमांक 1.01 का निरीक्षण करने स्पष्ट होता है कि सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के लिय एफ मान F= 6.410 स्वतंत्रता की कोटी (1) पर 0.01 स्तर पर सार्थक है। जो इस ओर संकेत करता है कि शिक्षकों का सूचना तकनीकी अभिवृत्ति उनके व्यावसायिक विकास पर सार्थक प्रभाव डालता है, इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि सूचना तकनीकी अभिवृत्ति शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को सार्थक रूप से प्रभावित करती है। अतः परिकल्पना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास प्राप्तांको पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति , लिंग एवं परिवेश का मुख्य एवं अन्तःक्रियात्मक का स्वतंत्र प्रभाव नही पाया जायेगा , अस्वीकृत होती है।

पुनः अध्ययन करने के लिए कि सूचना तकनीकी अभिवृत्ति के किस स्तर पर शिक्षकों के व्यावसायिक विकास पर धनात्मक रूप से प्रभाव डालती है। इस उद्देश्य हेतु सूचना तकनीकी अभिवृत्ति पर व्यावसायिक विकास के मध्यमानों की तुलना की। उपर्युक्त

मध्यमान मूल्यों एवं प्रमाणिक विचलनों को तालिका क्रमांक 1.02 एवं 1.03 में प्रस्तुत किया गया है–

तालिका क्रमांक 1.02

शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आधार पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति प्राप्तांकों के मध्यमान

सूचना तकनीकी अभिवृत्ति	संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन
उच्च	105	187.332	3.235
निम्न	100	175.983	3.102

उच्च सूचना तकनीकी अभिवृत्ति वाले शिक्षकों का व्यावसायिक विकास मध्यमान 187.332 निम्न सूचना तकनीकी अभिवृत्ति वाले शिक्षकों का मध्यमान 175.983 की अपेक्षा श्रेष्ठ पाया गया।

तालिका क्रमांक 1.03

शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के आधार पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति प्राप्तांकों के मध्यमान

परिवेश	सूचना तकनीकी अभिवृत्ति			
	उच्च		निम्न	
	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन
शहरी	188.188	3.785	168.300	4.524
ग्रामीण	186.476	5.249	183.667	4.246

उच्च सूचना तकनीकी अभिवृत्ति वाले शिक्षकों का व्यावसायिक विकास मध्यमान 188.188 निम्न सूचना तकनीकी अभिवृत्ति वाले शिक्षकों का मध्यमान की अपेक्षा श्रेष्ठ पाया गया।

तालिका क्रमांक 1.01 को देखने से स्पष्ट होता है कि लिंग का व्यावसायिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह अध्ययन हेतु तालिका क्रमांक 1.01 का निरीक्षण करने स्पष्ट होता है कि लिंग के लिय एफ मान F= 3.546 स्वतंत्रता की कोटी (1) पर 0.01 स्तर पर सार्थक नही है। जो इस ओर संकेत करता है कि लिंग उनके व्यावसायिक विकास पर सार्थक प्रभाव नही डालता है, इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि लिंग व्यावसायिक विकास को सार्थक रूप से प्रभावित नही करती है। अतः परिकल्पना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास प्राप्तांको पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति , लिंग एवं परिवेश का मुख्य एवं अन्तःक्रियात्मक का स्वतंत्र प्रभाव नही पाया जायेगा , स्वीकृत होती है।

परिवेश का व्यावसायिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह अध्ययन हेतु तालिका क्रमांक 1.01 का निरीक्षण करने स्पष्ट होता है कि परिवेश के लिय एफ मान F= 2. 320 स्वतंत्रता की कोटी (1) पर 0.01 स्तर पर सार्थक नही है। जो इस ओर संकेत करता है कि परिवेश उनके व्यावसायिक विकास पर सार्थक प्रभाव नही डालता है, इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि परिवेश व्यावसायिक विकास को सार्थक रूप से प्रभावित नही करती है। अतः परिकल्पना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास प्राप्तांको पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति , लिंग एवं परिवेश का मुख्य एवं अन्तःक्रियात्मक का स्वतंत्र प्रभाव नही पाया जायेगा , स्वीकृत होती है।

सूचना तकनीकी अभिवृत्ति एवं लिंग का शिक्षकों की व्यावसायिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह अध्ययन हेतु तालिका क्रमांक 1.01 का निरीक्षण करने स्पष्ट होता है कि सूचना तकनीकी अभिवृत्ति एवं लिंग के लिय एफ मान F=.456 स्वतंत्रता की कोटी (1) पर 0.01 स्तर पर सार्थक नही है। जो इस ओर संकेत करता है कि शिक्षकों का सूचना तकनीकी

अभिवृत्ति एवं लिंग उनके व्यावसायिक विकास पर सार्थक प्रभाव नही डालता है, इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि सूचना तकनीकी अभिवृत्ति एवं लिंग शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को सार्थक रूप से प्रभावित नही करती है। अतः परिकल्पना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास प्राप्तांको पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति , लिंग एवं परिवेश का मुख्य एवं अन्तःक्रियात्मक का स्वतंत्र प्रभाव नही पाया जायेगा , स्वीकृत होती है।

सूचना तकनीकी अभिवृत्ति एवं परिवेश का शिक्षकों की व्यावसायिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह अध्ययन हेतु तालिका क्रमांक 1.01 का निरीक्षण करने स्पष्ट होता है कि सूचना तकनीकी अभिवृत्ति एवं परिवेश के लिय एफ मान F=3.629 स्वतंत्रता की कोटी (1) पर 0.05 स्तर पर सार्थक है। जो इस ओर संकेत करता है कि शिक्षकों का सूचना तकनीकी अभिवृत्ति एवं परिवेश उनके व्यावसायिक विकास पर सार्थक प्रभाव डालता है, इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि सूचना तकनीकी अभिवृत्ति एवं परिवेश शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को सार्थक रूप से प्रभावित करती है। अतः परिकल्पना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास प्राप्तांको पर सूचना

तकनीकी अभिवृत्ति , लिंग एवं परिवेश का मुख्य एवं अन्तःक्रियात्मक का स्वतंत्र प्रभाव नही पाया जायेगा , अस्वीकृत होती है।

लिंग एवं परिवेश का शिक्षकों की व्यावसायिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह अध्ययन हेतु तालिका क्रमांक 1.01 का निरीक्षण करने स्पष्ट होता है कि लिंग एवं परिवेश के लिय एफ मान F=.367 स्वतंत्रता की कोटी (1) पर 0.01 स्तर पर सार्थक नही है। जो इस ओर संकेत करता है कि शिक्षकों का लिंग एवं परिवेश उनके व्यावसायिक विकास पर सार्थक प्रभाव नही डालता है, इस प्रकार

यह कहा जा सकता है कि लिंग एवं परिवेश शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को सार्थक रूप से प्रभावित नही करती है। अतः परिकल्पना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास

प्राप्तांको पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति , लिंग एवं परिवेश का मुख्य एवं अन्तःक्रियात्मक का स्वतंत्र प्रभाव नही पाया जायेगा , स्वीकृत होती है।

सूचना तकनीकी अभिवृत्ति एवं लिंग, परिवेश का शिक्षकों की व्यावसायिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह अध्ययन हेतु तालिका क्रमांक 1.01 का निरीक्षण करने स्पष्ट होता है कि सूचना तकनीकी अभिवृत्ति एवं लिंग, परिवेश के लिय एफ मान F=.582 स्वतंत्रता की कोटी (1) पर 0.01 स्तर पर सार्थक नही है। जो इस ओर संकेत करता है कि शिक्षकों का सूचना तकनीकी अभिवृत्ति एवं लिंग, परिवेश उनके व्यावसायिक विकास पर सार्थक प्रभाव नही डालता है, इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि सूचना तकनीकी अभिवृत्ति एवं लिंग, परिवेश शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को सार्थक रूप से प्रभावित नही करती है। अतः परिकल्पना उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के व्यावसायिक विकास प्राप्तांको पर सूचना तकनीकी अभिवृत्ति , लिंग एवं परिवेश का मुख्य एवं अन्तःक्रियात्मक का स्वतंत्र प्रभाव नही पाया जायेगा , स्वीकृत होती है।

निष्कर्ष–

प्रस्तुत अध्ययन में यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि सूचना तकनीकी अभिवृत्ति वाले शिक्षकों का व्यावसायिक विकास का प्राप्तांक उच्च पाया गया। इसका कारण यह हो सकता है कि समय समय पर शिक्षकों को सूचना तकनीकी से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाता है एवं शिक्षकों के शिक्षण कार्य के लिए सूचना तकनीकी आवश्यक है। शिक्षकों को सूचना तकनीकी के प्रति रूचि

जाग्रित होती है तथा पीढ़ी दर पीढ़ी शिक्षण कार्य को सुधार किया जा सकता है। शिक्षकों के शिक्षण का स्तर बढ़ता है जिससे उनका व्यावसायिक विकास भी बढ़ता है एवं उनका व्यावसायिक विकास होता है। तथा विद्यालय में शिक्षकों के शिक्षण कार्य के लिए संचार क्रांति का प्रसार होता है। एवं शिक्षक एक नए ज्ञान की ओर अग्रसर होते है।

संदर्भित ग्रंथ सूची

Bhutia, Y.(2014) : "Manual for Professional Development." *National Psychological Corporation,* 4/230,Kacheri Ghat Agra.

Kapil,H.K.(2012). *Research Methodology*. Rakhi publisher, Page no. 399 35-37 30-33.

Nasrin & Islahi,F.(2012): "Manual for Attitude Scale Towards Information Technology for Teachers." *National Psychological Corporation,* 4/230,Kacheri Ghat Agra.

Patnaik,S & Dsvidson,M. (2015). The role of professional development in Ensuring teacher quality. *International Journal of English Language Teaching* Vol.3, No.5, pp.13-19.

Ramdas,V.(2013). Professional development of teachers: practice and promise. *journal of Indian education* volume XXVIII number 4 page no 27-36.

Tannag, H. & Abu, B.(2014). Teacher Professionalism and Professional Development Practices in South Sulawesi, Indonesia . *Journal of Curriculum and Teaching* Vol. 3(2),PP.25-42.